हंसराज कॉलेज
— दिल्ली विश्वविद्यालय —

HANSRAJ COLLEGE
University Of Delhi
NAAC Grade A+ with CGPA 3.62

2021-2022

Name of the Department/Society: हिंदी साहित्य परिषद्, हिंदी विभाग, हंसराज महाविद्यालय
Name of the Event 5: हिंदी साहित्य और आलोचना
Date of the Event: 25-02-2022

प्रभारी : डॉ. नीतू शर्मा

संयोजक: डॉ. राजेश कुमार शर्मा

Scanned with CamScanner

हंसराज महाविद्यालय के हिंदी विभाग द्वारा संचालित हिंदी साहित्य परिषद द्वारा 25 फरवरी 2022 को पद्म भूषण ज्ञान प्रकाश चोपड़ा संगोष्ठी कक्ष में "हिंदी साहित्य और आलोचना" विषय पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के प्रमुख वक्ता के रूप में भाषा केंद्र के अध्यक्ष और जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के प्रोफेसर ओमप्रकाश जी और दूसरी वक्ता के रूप में दिल्ली विश्वविद्यालय में हिंदी विभाग की प्रोफेसर अल्पना मिश्र जी को निमंत्रित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई उसके बाद हंसराज महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर रमा ने वक्ताओं का स्वागत तुलसी का पौधा भेंट करके किया। कार्यक्रम का स्वागत ज्ञापन हंसराज महाविद्यालय के हिंदी विभाग के परामर्शदाता डॉ. राजेश शर्मा जी ने किया। कार्यक्रम में आगे पहले वक्ता के रूप में प्रोफेसर ओम प्रकाश जी ने अपने विचारों को विद्यार्थियों के समक्ष प्रस्तुत किया, उन्होंने हिंदी साहित्य के ऊपर अपने विचार व्यक्त किए उन्होंने बताया कि पहले के हिंदी साहित्य और अब के साहित्य में किस प्रकार अंतर आया है तथा उन्होंने आलोचनाओं में भी बड़ा अंतर बताया है की पहले की आलोचना कैसे हुआ करती थी अब की आलोचना में कैसे उसमें परिवर्तन आया है, उन्होंने विद्यार्थियों के समक्ष कई महत्वपूर्ण बातें रखी जिसमें उन्होंने कहा कि साहित्य जीवन में काफी महत्वपूर्ण स्थान रखता है, उन्होंने विद्यार्थियों को हिंदी साहित्य का महत्व बताया। इसके बाद दूसरी वक्ता के रूप में आई डॉ अल्पना मिश्र जी ने भी उन्होंने पहले के साहित्य में यह बताया कि की नारियों को पहले साहित्य में क्या स्थान दिया जाता था उन्हें केवल ग्रहणी के रूप में ही समझा जाता था केवल घर में ही काम करने लेकिन वर्तमान के उपन्यासों या कविताओं में काफी सक्रिय भूमिका निभा रहीं है।

उन्होंने कई ऐसे उदाहरण प्रस्तुत किए। उन्होंने प्रेमचंद्र का भी काफी अच्छा उदाहरण दिया , उनके उपन्यास, कविताएं, कहानियां के बारे में बताया। उन्होंने आलोचनाओं पर भी काफी बात कही है की पहले की आलोचनाएं और अब की आलोचनाओं में काफी अंतर है , उन्होंने विषय पर काफी उदाहरण दिए जो आगे विद्यार्थियों के जीवन में काफी काम आ सके खासकर जो हिंदी साहित्य मैं अपना जीवन देखते हैं इन्हीं बातों के साथ उन्होंने अपनी वाणी को विराम दिया। कार्यक्रम में काफी अधिक विद्यार्थियों तथा शोधकर्ताओं ने भाग लिया तथा महाविद्यालय के अध्यापकों ने भी भाग लिया। कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय की प्राचार्या प्रो.रमा के सान्निध्य में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का संचालन हंसराज महाविद्यालय के अध्यापक डॉ. प्रभांशु ओझा जी ने किया। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन हिंदी विभाग की प्रभारी डॉ. नीतू शर्मा जी ने किया।

Scanned with CamScanner